ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)

बुलेटिन संख्या-३ **टेलीफोन - ०६२७४-२४०२६६**
दिनांक-मंगलवार,१० जनवरी,२०१७

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः २१.७ एवं ६.८ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ६३ सुबह में एवं दोपहर में ६२ प्रतिशत, हवा की औसत गति २.२ कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण ०.७ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन २.७ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में १३.० एवं दोपहर में १६.३ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(११-१५ जनवरी ,२०१७)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी ११-१५ जनवरी,२०१७ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

१. पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में हल्के बादल देखे जा सकते है। हँलाकि इस अवधि में मौसम के शुष्क रहने का अनुमान है।
२. इस अवधि में अधिकतम तापमान २२ से २४ डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान ५ से ८ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
३. औसतन ३ से ७ कि० मी० प्रति घंटा की रफ्तार से पछिया हवा चलने की संभावना है। इस अवधि में सुबह में हल्के कुहासे छाये रहने का अनुमान है।
४. सापेक्ष आर्द्रता सुबह में करीब ९० से ९५ प्रतिशत तथा दोपहर में ६० से ६५ प्रतिशत रहने का अनुमान है।

समसामयिक सुझाव

- अरहर की फसल जिसमें ५० प्रतिशत फूल आ गया हो उसमें फली छेदक कीट से बचाव के लिए करताप हाईड्रोक्लोराइड दवा १.५ मी०ली० प्रति लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें।
- आलु की फसल में पिछेती झुलसा रोग की निगरानी करें। इसके बचाव हेतु २.० से २.५ ग्राम इण्डोफिल एम० ४५ फफूँदी नाशक दवा का प्रति लीटर पानी की दर से घोल बना कर छिड़काव करें। इस छिड़काव के ८-१० दिनों बाद पुनः रीडोमिल दवा का १.५ से २.० ग्रम प्रति लीटर पानी की दर से घोल बना कर छिड़काव करें।
- विलम्ब से बोई गयी दलहनी फसल में २ प्रतिशत यूरिया के घोल का छिड़काव एक सप्ताह के अन्तराल पर दो बार करें।
- सब्जियों में निकाई-गुड़ाई एवं आवश्यकतानुसार सिचांई करें। बैगन की फसल में तना एवं फल छेदक कीट की निगरानी करें। कीट का प्रकोप दिखाई देने पर सर्वप्रथम कीट से क्षतिग्रस्त तना एवं फलों की तुराई कर नष्ट कर दें एवं उसके बाद क्वीनालफॉस १.५ मि०ली० प्रति लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें।
- मटर की फसल में चूर्णिल फफूँदी (पाउडरी मिल्डयु) रोग की निगरानी करें, जिसमें पत्तीयों, फलों एवं तनों पर सफेद चूर्ण दिखाई पड़ती है। इस रोग से वचाव के लिए फसल में कैराथेन दवा का १ लीटर तरल को १००० लीटर पानी में घोल कर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें। तेज धूप में छिड़काव ना करें।
- मटर, चने एवं टमाटर की फसल में फलीछेदक कीट के नियंत्रण हेतु फिरोमोन प्रपंश @ ३-४ प्रपंस प्रति एकर की दर से उन खेतों में लगायें। जहाँ पौधों में १५-२० प्रतिशत फूल खिले हों। T अक्षर आकार के पक्षी बसेरा खेत के विभिन्न स्थानों में लगायें। आलू में १०-१५ दिनों के अन्तराल में सिंचाई करें।
- बिलम्ब से बोयी गयी गेहूँ की फसल जो २१ से २५ दिनों की हों गयी हो उसमें सिंचाई कर ३० किलो नेत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से उपरिवेशन करें। समय से बोयी गयी गेहूँ की फसल जो ४० से ५० दिनों की हो गई है तो उसमें दूसरी सिंचाई करें।
- मक्का की फसल जो ५० से ६० दिनों की हो गयी हो, उसमें सिचाई कर ५० किलोग्राम नेत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से उपरिवेशन करें।
- प्याज की रोपाई करें। गत माह रोपी गई प्याज में निकौनी करे तथा हल्की सिचाई १०-१५ दिनों के अन्तराल में करते रहें। लहसुन की फसल में निकौनी एवं आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।

आज का अधिकतम तापमानः २४.० डिग्री सेल्सियस, सामान्य से १.३ डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमान :११.५ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ३.२ डिग्री सेल्सियस अधिक

(ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी